

Subject :- I Economy & Entrepreneurship Dev

Ques - भारत की पंचवर्षीय योजना के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं? (भारतीय योजना की लघु रचना में स्पष्ट कीजिए।)

Ans - भारतीय पंचवर्षीय योजना (Twelfth Five Year Plan)

भारतीय पंचवर्षीय योजना 12 वीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ हुई जो 21 मार्च 2012 तक चली। तीन श्रेणियों में समावेशी विकास को 12 वीं पंचवर्षीय योजना का लक्ष्य घोषित करने हुए इसे 11 वीं योजना की निरन्तरता के देखा गया। इस आलोचने 12 वीं योजना का मूल 11 वीं योजना के अधूरे कार्यों को पूरा करने पर बल देती है, बल्कि समावेशी विकास को श्रेष्ठ और अधिक बनाने की बात भी सूची है।

इस योजना में समावेशी विकास के निम्नलिखित आशयों पर जोर दिया जाता है -

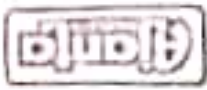
1. गरीबी निवारण के रूप में समावेशिता - अर्थात् अत्यन्त पिछड़े वर्गों तक पहुंचाना। निर्माण की लक्ष्य
2. वर्ग समानता के रूप में समावेशिता - अर्थात् पुरुषों तथा महिलाओं के बीच उद्यमान अन्तर्गत।
3. क्षेत्रीय समानता के रूप में समावेशिता - अर्थात् पिछड़े क्षेत्रों का पूरा लक्ष्य प्राप्त और उनके विकास के लिए विशेष नीतियां बनाने जाएं।
4. असमानता का तथा समावेशिता - अर्थात् अधिक समान अन्तर्गत उपलब्ध करने पर जोर दिया गया है।

5. ज्ञान के रूप में समावेशिता - अर्थात् अभिशासन जवान देनी तथा लोगों की भागीदारी पर जोर। समावेशिता के ऊपर तबले सभी सामान्य मूल्य पूर्व है तथा भारतीय योजना में इन सबको रात प्रगति करने पर जोर दिया गया है।

भारतीय योजना में संवृद्धि की भूमि का एक प्रमुख आइ उपायकता में वृद्धि है। योजना के अनुसार आने वाले भारत में संवृद्धि के परम्परागत रूप में (पूँजी का संचयन तथा श्रम की संवृद्धि) काफी नहीं होगे। इसलिए सभी वर्गों को उत्पादन बढ़ाने के लिए पर विशेष जोर देना होगा (चाहे यह वर्ग व्यवस्थाओं का हो, किसानों का हो या फिर सरकारी)।

(P.T.O.)

Page No.



B.Com. III

श्रीप पीठ से (02)

I. Economy & E. Development

30-30-2020

इस योजना के ^{आगोजगो} अनुसार समावेशन उद्देश्य प्राप्त करने में समग्र उत्पाद तेजी से बढ़िकरना आवश्यक है। GDP में वृद्धि का महत्व निम्नलिखित दो बातों से स्पष्ट होता है -

- 1, समग्र औद्योगिक उत्पाद के तीव्र विमाल से कुल आम एवं उत्पादन में काफी विलंब हो सकता है जो यदि विमाल वृद्धि पर्याप्त रूप से समावेशी है तो हमारी जनता के शुरुवाती भाग को रोजगार और आय बढ़ाने के अन्तर्ग कार्यालय उपलब्ध करवाकर उनके जीवन स्तर में प्रत्यक्ष वृद्धि कर सकता है।
- 2, तीव्र विमाल से और अधिक राजस्व अर्जन हो सकता है जिससे समावेशिता के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का वित्त करने में मदद मिल सकती है। The End

By Dr. S.K. Sharma, Asst. Professor
Dept. of Commerce, R.N.C. Pandaul.